श्री गुरुचरणकमलेभ्यो नमः

गुरु पादुका सिद्धि दिवस साधना - २२-११-२०२५

गुरु ऐक्य साधना:

विधान: साधक या साधिकायें स्नान आदि से निवृत होकर सफेद वस्त्र धारण कर पूर्व या उत्तर दिशा की ओर बैठे और सामने गुरु चित्र/यंत्र लगाकर पंचोपचार पूजन करे ,गुरु मंत्र का जप कर , निम्न साधना प्रारंभ करे |

साधना गुरुवार से आरंभ करें । तीन दिन तक प्रतिदिन ब्रह्ममुहूर्त में ५ माला जप करें और केवल दूध और फल का आहार ही लें | ऐसा करने से गुरु प्रत्यक्ष रूप में या स्वप्न में बीजोक्त(मूल मंत्र) गुरु ऐक्य मंत्र साधना करने कि आज्ञा और विधान बताएंगे |

इस साधना हेतु सर्वप्रथम गुरु मंत्र कि १२५० माला (पुरुश्चरण) करना आवश्यक है | इस गुरु-ऐक्य साधना का संकल्प ले कर ही गुरु मंत्र सवा लाख की साधना करे |

मंत्र: || ॐ क्लीं स: ॐ || प्रकट मंत्र

* गुप्त मंत्र गुरुजी प्रत्यक्ष रूप में या स्वप्न में स्वयं बताते है |

सामाग्री: स्फटिक माला, गुरु चित्र/यंत्र

जप संख्या: ५ माला

****